एम. ए. द्वितीय वर्ष -

-तृतीय सत्र-

अनिवार्य प्रश्न पत्र (Compulsory Course)

1- आधुनिक हिंदी गद्य

2- आलोचना और आलोचक

3- हिंदी का आत्मकथा साहित्य

वैकल्पिक प्रश्न पत्र (Elective Course)

4 अ – लघुतर शोध प्रबंध

4 ब - जनसंचार माध्यम

5 अ - लघुतर शोध प्रबंध

5 ब - सिनेमा और हिंदी साहित्य (CBCS)

-चतुर्थ सत्र-

अनिवार्य प्रश्न पत्र (Compulsory Course)

1- आधुनिक हिंदी कविता

2- हिंदी महिला गद्य लेखन

3- लोक साहित्य और लोकभाषा

वैकल्पिक प्रश्न पत्र (Elective Course)

4 अ – प्रशिक्षण वृत्ति

4 ब - रचनाकार प्रेमचंद

5 अ - प्रशिक्षण वृत्ति

5 ब - विज्ञापन लेखन (CBCS)

रोजगार के क्षेत्र एवं संभावनाएँ

1 अध्यापक - स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय

2 मीडिया - इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट (अखबार, रेडियो, दूरदर्शन एवं फिल्म)

3 लेखन - अनुवाद, साहित्य

4 सेवाएँ - सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में विविध हिंदी पदाधिकारी

हिंदी विभाग

एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय

चर्चगेट, मुम्बई - 400020

वेब - www.sndt.ac.in

पाटकर बिल्डिंग, सातवीं मंजिल,

1 नाथीबाई ठाकरसी रोड,

न्यू मरीन लाईन्स,

मुम्बई - 400020

सम्पर्क

डॉ. सुनीता साखरे

प्रोफेसर - विभागाध्यक्ष

मोबाईल : 9920429757

डॉ. पल्लवी प्रकाश

सहायक प्रोफेसर

मोबाईल : 9867158023

ऑफिस फोन : 22031879 Ext. 1306/1335

इमेल : hindimumbai@sndt.ac.in

विभाग - परिचय

भारत रत्न महर्षि कर्वे उन महान विभूतियों में से एक है, जिन्होंने नारी के सम्मान के साथ जीना सिखलाया। उन्होंने भारत के पहले महिला विश्वविद्यालय की स्थापना 1916 में पाँच बालिकाओं को लेकर की। यह भी संयोग है कि सन् 1972 में हिंदी विभाग की शुरुआत भी पाँच बालिकाओं से ही हुई। हिंदी आज भारत की सम्पर्क भाषा ही नहीं, हमारी राष्ट्रीय अस्मिता की पहचान भी है। अत: इसका पढ़ा-पढ़ाया जाना भाषिक राष्ट्रीयता को समृद्ध करना है।

विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम की दृष्टि से विभाग हिंदी साहित्य व भाषा के समस्त प्रमुख आयामों की विशद एवं गहन जानकारी देता ही है, महिला विश्वविद्यालय के रूप में छात्राओं को हिंदी के महिला-लेखन से भी परिचित कराता है।

आज संपर्क भाषा के नाते सरकारी-गैरसरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज का एक व्यापक क्षेत्र बन चुका है। अत: इसकी रोजगारपरकता को ध्यान में रखते हुए 'प्रयोजनमूलक हिंदी' एवं मीडिया के क्षेत्र में हिंदी की असीम संभावनाओं की पूर्ति के लिए 'जनसंचार माध्यम' जैसे पाठ्यक्रम भी अध्ययन में शामिल किये गए हैं, ताकि इस शिक्षा से छात्राएँ स्वावलंबी भी हो सकें, जो आज के भारतवर्ष में महिलाओं की सबसे बड़ी त्रासदी और चुनौती है।

पाठ्यक्रम

एम.ए. हिंदी

अवधि - दो शैक्षणिक वर्ष अपेक्षित

योग्यता - किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि

पीएच.डी.

अवधि - तीन शैक्षणिक वर्ष

अपेक्षित योग्यता - किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपाधि

एम. ए. प्रथम वर्ष -

-प्रथम सत्र-

अनिवार्य प्रश्न पत्र (Compulsory Course)

1- हिंदी साहित्य का इतिहास भाग - 1

2- भाषा विज्ञान

3- मध्यकालीन काव्य

वैकल्पिक प्रश्न पत्र (Elective Course)

4 अ – हिंदी साहित्य में दलित लेखन

4 ब - प्रयोजनमूलक हिंदी

5 अ - हिंदी नाटक एवं रंगमंच

5 ब - हिंदी पत्रकारिता (CBCS)

-द्वितीय सत्र-

अनिवार्य प्रश्न पत्र (Compulsory Course)

1- हिंदी साहित्य का इतिहास भाग - 2

2- काव्यशास्त्र

3- अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया

वैकल्पिक प्रश्न पत्र (Elective Course)

4 अ – हिंदीतर भारतीय साहित्य

4 ब - अनुवाद : कला एवं तकनीक

5 अ - धारावाहिक लेखन

5 ब - रचनात्मक लेखन (CBCS)